Gen

Chapter 47

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיָּבֹא	יוֹסֵף	וַיַּגֵּד	לְפַרְעֹה	וַיֹּאמֶר	אָבִי	וְאַחַי	וְצֹאנָם	וּבְקָרָם
और-आया	यूसुफ़	और-बताया	फ़िरौन-को	और-कहा	पिता-मेरा	और-भाई-मेरे	और-भेड़ें-उनकी	और-गायें-उनकी
H0935	H3130	H5046	H6547	H0559	H0001	H0251	H6629	H1241

וְכָל־	אֲשֶׁר	לָהֶם	בָּאוּ	מֵאֶרֶץ	כְּנָעַן	וְהִנָּם	בְּאֶרֶץ	גֹּשֶׁן׃
और-सब	जो	उनका-है	आए	देश-से	कनान-के	और-देखो-वे	देश-में	गोशेन-के
H3605			H0935	H0776		H2009	H0776	H1657

> यूसुफ फ़िरौन के पास गया और उसने कहा, "मेरे पिता, मेरे भाई और उनके सब परिवार यहाँ आ गए हैं। वे अपने सभी जानवर तथा कनान में उनका अपना जो कुछ था, उसके साथ हैं। इस समय वे गीशोन प्रदेश में हैं।"

2

וּמִקְצֵה	אֶחָיו	לָקַח	חֲמִשָּׁה	אֲנָשִׁים	וַיַּצִּגֵם	לִפְנֵי	פַרְעֹה׃
और-बीच-से	भाइयों-अपने	लिया	पाँच	मनुष्यों-को	और-खड़ा-किया-उन्हें	सामने	फ़िरौन-के
	H0251	H3947	H2568	H0376	H3322	H6440	H6547

> यूसुफ ने अपने भाईयों में से पाँच को फ़िरौन के सामने अपने साथ रहने के लिए चुना।

3

וַיֹּאמֶר	פַּרְעֹה	אֶל־	אֶחָיו	מַה־	מַּעֲשֵׂיכֶם	וַיֹּאמְרוּ	אֶל־	פַּרְעֹה	רֹעֵה
और-कहा	फ़िरौन-ने	से	भाइयों-उसके	क्या	काम-तुम्हारे	और-कहा-उन्होंने	से	फ़िरौन-से	चरवाहे
H0559	H6547	H0413	H0251	H4100	H4639	H0559	H0413	H6547	

צֹאן	עֲבָדֶיךָ	גַּם־	אֲנַחְנוּ	גַּם־	אֲבוֹתֵינוּ׃
भेड़ों-के	दास-तेरे	भी	हम	भी	पूर्वज-हमारे
H6629	H5650	H1571	H0587	H1571	H0001

> फ़िरौन ने भाईयों से पूछा, "तुम लोग क्या काम करते हो?" भाईयों ने फ़िरौन से कहा, "मान्यवर, हम लोग चरवाहे हैं। हम लोगों से पहले हमारे पूर्वज भी चरवाहे थे।"

4

וַיֹּאמְרוּ	אֶל־	פַּרְעֹה	לָגוּר	בָּאָרֶץ	בָּאנוּ	כִּי־	אֵין	מִרְעֶה
और-कहा-उन्होंने	से	फ़िरौन-से	परदेस-में-रहने-के-लिए	देश-में	आए-हम	क्योंकि	नहीं-है	चरागाह
H0559	H0413	H6547		H0776	H0935		H0369	H4829

לַצֹּאן	אֲשֶׁר	לַעֲבָדֶיךָ	כִּי־	כָבֵד	הָרָעָב	בְּאֶרֶץ	כְּנָעַן	וְעַתָּה	יֵשְׁבוּ־	נָא
भेड़ों-के-लिए	जो	दासों-के-तेरे	क्योंकि	भारी	अकाल	देश-में	कनान-के	और-अब	बसें	कृपया
H6629		H5650		H3515	H7458	H0776		H6258	H3427	H4994

עֲבָדֶיךָ	בְּאֶרֶץ	גֹּשֶׁן׃
दास-तेरे	देश-में	गोशेन-के
H5650	H0776	H1657

> उन्होंने फ़िरौन से कहा, "कनान में भूखमरी का यह समय बहुत बुरा है। हम लोगों के जानवरों के लिए घास वाला कोई भी खेत बचा नहीं रह गया है। इसलिए हम लोग इस देश में रहने आएं हैं। आपसे हम लोग प्रार्थना करते हैं कि आप कृपा करके हम लोगों को गीशोन प्रदेश में रहने दें।"

5

וַיֹּאמֶר	פַּרְעֹה	אֶל־	יוֹסֵף	לֵאמֹר	אָבִיךָ	וְאַחֶיךָ	בָּאוּ	אֵלֶיךָ׃
और-कहा	फ़िरौन-ने	से	यूसुफ़-से	कहते-हुए	पिता-तेरा	और-भाई-तेरे	आए	तेरे-पास
H0559	H6547	H0413	H3130	H0559	H0001	H0251	H0935	H0413

> तब फ़िरौन ने यूसुफ से कहा, "तुम्हारे पिता और तुम्हारे भाई तुम्हारे पास आए हैं।

6

אֶרֶץ	देश	H0776
מִצְרַיִם	मिस्र-का	H4714
לְפָנֶיךָ	सामने-तेरे	H6440
הִוא	है	H1931
בְּמֵיטַב	उत्तम-में	H4315
הָאָרֶץ	देश-के	H0776
הוֹשֵׁב	बसा	H3427
אֶת־	को	H0853
אָבִיךָ	पिता-अपने	H0001
וְאֶת־	और	H0853
אַחֶיךָ	भाइयों-अपने	H0251
יֵשְׁבוּ	बसें	H3427
בְּאֶרֶץ	देश-में	H0776
גֹּשֶׁן	गोशेन-के	H1657
וְאִם־	और-अगर	
יָדַעְתָּ	जानता-है-तू	H3045
וְיֶשׁ־	और-हैं	H3426
בָּם	उनमें	
אַנְשֵׁי־	मनुष्य	H0376
חַיִל	समर्थ-के	H2428
וְשַׂמְתָּם	तो-रखना-उन्हें	
שָׂרֵי	सरदारों-के-रूप-में	H8269
מִקְנֶה	मवेशी-पर	H4735
עַל־	पर	
אֲשֶׁר־	जो	
לִי׃	मेरी-है	

> तुम मिस्र में कोई भी स्थान उनके रहने के लिए चुन सकते हो। अपने पिता और अपने भाईयों को सबसे अच्छी भूमि दी। उन्हें गीशोन प्रदेश में रहने दी और यदि ये कुशल चरवाहे है, तो वे मेरे जानवरों की भी देखभाल कर सकते हैं।”

7

וַיָּבֵא	और-लाया	H0935
יוֹסֵף	यूसुफ़-ने	H3130
אֶת־	को	H0853
יַעֲקֹב	याकूब	H3290
אָבִיו	पिता-अपने	H0001
וַיַּעֲמִדֵהוּ	और-खड़ा-किया-उसे	H5975
לִפְנֵי	सामने	H6440
פַרְעֹה	फ़िरौन-के	H6547
וַיְבָרֶךְ	और-आशीर्वाद-दिया	H1288
יַעֲקֹב	याकूब-ने	H3290
אֶת־	को	H0853
פַּרְעֹה׃	फ़िरौन-को	H6547

> तब यूसुफ ने अपने पिता याकूब को अन्दर फ़िरौन के सामने बुलाया। याकूब ने फिरौन को आशीर्वाद दिया।

8

וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
פַּרְעֹה	फ़िरौन-ने	H6547
אֶל־	से	H0413
יַעֲקֹב	याकूब-से	H3290
כַּמָּה	कितने	H4100
יְמֵי	दिन	H3117
שְׁנֵי	सालों-के	H8141
חַיֶּיךָ׃	जीवन-के-तेरे	

> तब फ़िरौन ने याकूब से पूछा, “आपको उम्र क्या है?”

9

וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
יַעֲקֹב	याकूब-ने	H3290
אֶל־	से	H0413
פַּרְעֹה	फ़िरौन-से	H6547
יְמֵי	दिन	H3117
שְׁנֵי	सालों-के	H8141
מְגוּרַי	परदेस-के-मेरे	H4033
שְׁלֹשִׁים	तीस	H7970
וּמְאַת	और-सौ	H3967
שָׁנָה	साल	H8141
מְעַט	थोड़े	H4592
וְרָעִים	और-बुरे	
הָיוּ	रहे	H1961
יְמֵי	दिन	H3117
שְׁנֵי	सालों-के	H8141
חַיַּי	जीवन-के-मेरे	
וְלֹא	और-नहीं	H3808
הִשִּׂיגוּ	पहुँचे	H5381
אֶת־	को	H0853
יְמֵי	दिनों	H3117
שְׁנֵי	सालों-के	H8141
חַיֵּי	जीवन-के	
אֲבֹתַי	पूर्वजों-के-मेरे	H0001
בִּימֵי	दिनों-में	H3117
מְגוּרֵיהֶם׃	परदेस-के-उनके	H4033

> याकूब ने फ़िरौन से कहा, “बहुत से कष्टों के साथ मेरा छोटा जीवन रहा। मैं केवल एक सौ तीस वर्ष जीवन बिताया हूँ। मेरे पिता और उनके पिता मुझसे अधिक उम्र तक जीवित रहे।”

10

וַיְבָרֶךְ	और-आशीर्वाद-दिया	H1288
יַעֲקֹב	याकूब-ने	H3290
אֶת־	को	H0853
פַּרְעֹה	फ़िरौन-को	H6547
וַיֵּצֵא	और-निकला	H3318
מִלִּפְנֵי	सामने-से	H6440
פַרְעֹה׃	फ़िरौन-के	H6547

> याकूब ने फ़िरौन को आशीर्वाद दिया। तब फिरौन से बिदा लेकर चल दिया।

11

וַיּוֹשֵׁב	और-बसाया	H3427
יוֹסֵף	यूसुफ़-ने	H3130
אֶת־	को	H0853
אָבִיו	पिता-अपने	H0001
וְאֶת־	और	H0853
אֶחָיו	भाइयों-अपने	H0251
וַיִּתֵּן	और-दिया	H5414
לָהֶם	उन्हें	
אֲחֻזָּה	सम्पत्ति	H0272
בְּאֶרֶץ	देश-में	H0776
מִצְרַיִם	मिस्र-के	H4714
בְּמֵיטַב	उत्तम-में	H4315
הָאָרֶץ	देश-के	H0776
בְּאֶרֶץ	देश-में	H0776
רַעְמְסֵס	रामसेस-के	H7486
כַּאֲשֶׁר	जैसा-कि	
צִוָּה	आज्ञा-दी	H6680
פַרְעֹה׃	फ़िरौन-ने	H6547

> यूसुफ ने फ़िरौन का आदेश माना। उसने अपने पिता और भाईयों को मिस्र में भूमि दी। यह रामसेस नगर के निकट मिस्र में सबसे अच्छी भूमि थी।

12
וַיְכַלְכֵּ֤ל और-पाला H3557
יוֹסֵף֙ यूसुफ़-ने H3130
אֶת־ को H0853
אָבִ֣יו पिता-अपने H0001
וְאֶת־ और H0853
אֶחָ֔יו भाइयों-अपने H0251
וְאֵ֖ת और H0853
כָּל־ सब H3605
בֵּ֣ית घर
אָבִ֑יו पिता-के-अपने H0001
לֶ֖חֶם रोटी-से H3899
לְפִ֥י अनुसार H6310
הַטָּֽף׃ बच्चों-के H2945

यूसुफ ने अपने पिता, भाईयों और उनके अपने लोगों को जो भोजन उन्हें आवश्यक था, दिया।

13
וְלֶ֤חֶם और-रोटी H3899
אֵין֙ नहीं-थी H0369
בְּכָל־ सब-में H3605
הָאָ֔רֶץ देश-में H0776
כִּֽי־ क्योंकि
כָבֵ֥ד भारी H3515
הָרָעָ֖ב अकाल H7458
מְאֹ֑ד बहुत H3966
וַתֵּ֜לַהּ और-थक-गई
אֶ֤רֶץ देश H0776
מִצְרַ֙יִם֙ मिस्र-का H4714
וְאֶ֣רֶץ और-देश H0776
כְּנַ֔עַן कनान-का
מִפְּנֵ֖י सामने-से H6440
הָרָעָֽב׃ अकाल-के H7458

भूखमरी का समय और भी अधिक बुरा हो गया। देश में कहीं भी भोजन न रहा। इस बुरे समय के कारण मिस्र और कनान बहुत गरीब हो गए।

14
וַיְלַקֵּ֣ט और-इकट्ठा-किया H3950
יוֹסֵ֗ף यूसुफ़-ने H3130
אֶת־ को H0853
כָּל־ सब H3605
הַכֶּ֙סֶף֙ चाँदी H3701
הַנִּמְצָ֤א पाई-गई H4672
בְאֶֽרֶץ־ देश-में H0776
מִצְרַ֙יִם֙ मिस्र-के H4714
וּבְאֶ֣רֶץ और-देश-में H0776
כְּנַ֔עַן कनान-के
בַּשֶּׁ֖בֶר अनाज-के-बदले H7668
אֲשֶׁר־ जो
הֵ֣ם वे H1992
שֹׁבְרִ֑ים ख़रीद-रहे-थे H7666
וַיָּבֵ֥א और-लाया H0935
יוֹסֵ֛ף यूसुफ़-ने H3130
אֶת־ को H0853
הַכֶּ֖סֶף चाँदी H3701
בֵּ֥יתָה घर
פַרְעֹֽה׃ फ़िरौन-के H6547

देश में लोग अधिक से अधिक अन्न खरीदने लगे। यूसुफ ने धन बचाया और उसे फ़िरौन के महल में लाया।

15
וַיִּתֹּ֣ם और-ख़त्म-हुई H8552
הַכֶּ֗סֶף चाँदी H3701
מֵאֶ֣רֶץ देश-से H0776
מִצְרַיִם֮ मिस्र-के H4714
וּמֵאֶ֣רֶץ और-देश-से H0776
כְּנַעַן֒ कनान-के
וַיָּבֹ֨אוּ और-आए H0935
כָל־ सब H3605
מִצְרַ֜יִם मिस्री H4713
אֶל־ की-ओर H0413
יוֹסֵ֤ף यूसुफ़-के H3130
לֵאמֹר֙ कहते-हुए H0559
הָֽבָה־ दे H3051
לָּ֣נוּ हमें
לֶ֔חֶם रोटी H3899
וְלָ֥מָּה और-क्यों H4100
נָמ֖וּת मरें-हम H4191
נֶגְדֶּ֑ךָ सामने-तेरे H5048
כִּ֥י क्योंकि
אָפֵ֖ס समाप्त-हो-गई H0656
כָּֽסֶף׃ चाँदी H3701

कुछ समय बाद मिस्र और कनान में लोगों के पास पैसा नहीं रहा। उन्होंने अपना सारा धन अन्न खरीदने में खर्च कर दिया। इसलिए लोग यूसुफ के पास गए और बोले, “कृपा कर हमें भोजन दें। हम लोगों का धन समाप्त हो गया। यदि हम लोग नहीं खाएँगे तो आपके देखते—देखते हम मर जायेंगे।”

16
וַיֹּ֤אמֶר और-कहा H0559
יוֹסֵף֙ यूसुफ़-ने H3130
הָב֣וּ दो H3051
מִקְנֵיכֶ֔ם मवेशी-अपनी H4735
וְאֶתְּנָ֥ה और-दूँगा H5414
לָכֶ֖ם तुम्हें
בְּמִקְנֵיכֶ֑ם मवेशी-के-बदले-तुम्हारी H4735
אִם־ अगर
אָפֵ֖ס समाप्त-हो-गई H0656
כָּֽסֶף׃ चाँदी H3701

लेकिन यूसुफ ने उत्तर दिया, “अपने पशु मुझे दो और मैं तुम लोगों को भोजन दूँगा।”

17
וַיָּבִ֣יאוּ और-लाए-उन्होंने H0935
אֶת־ को H0853
מִקְנֵיהֶם֮ मवेशी-अपनी H4735
אֶל־ की-ओर H0413
יוֹסֵף֒ यूसुफ़-के H3130
וַיִּתֵּ֣ן और-दिया H5414
לָהֶם֩ उन्हें
יוֹסֵ֨ף यूसुफ़-ने H3130
לֶ֜חֶם रोटी H3899
בַּסּוּסִ֗ים घोड़ों-के-बदले
וּבְמִקְנֵ֥ה और-मवेशी-के-बदले H4735
הַצֹּ֛אן भेड़ों-की H6629
וּבְמִקְנֵ֥ה और-मवेशी-के-बदले H4735
הַבָּקָ֖ר गायों-की H1241
וּבַחֲמֹרִ֑ים और-गधों-के-बदले H2543
וַיְנַהֲלֵ֤ם और-ले-गया-उन्हें H5095
בַּלֶּ֙חֶם֙ रोटी-से H3899
בְּכָל־ सब-के-बदले H3605
מִקְנֵהֶ֔ם मवेशी-उनकी H4735
בַּשָּׁנָ֖ה साल-में H8141
הַהִֽוא׃ उस H1931

इसलिए लोग अपने पशु, घोड़े और अन्य सभी जानवरों को भोजन खरीदने के लिए उपयोग में लाने लगे और उस वर्ष यूसुफ ने उनके जानवरों को लिया तथा भोजन दिया।

18
וַתִּתֹּם और-समाप्त-हुआ H8552
הַשָּׁנָה साल H8141
הַהִוא वह H1931
וַיָּבֹאוּ और-आए H0935
אֵלָיו उसके-पास H0413
בַּשָּׁנָה साल-में H8141
הַשֵּׁנִית दूसरे H8145
וַיֹּאמְרוּ और-कहा-उन्होंने H0559
לוֹ उससे
לֹא־ नहीं H3808

נְכַחֵד छुपाएँगे-हम H3582
מֵאֲדֹנִי स्वामी-से-मेरे H0113
כִּי कि
אִם־ अगर
תַּם ख़त्म-हो-गई H8552
הַכֶּסֶף चाँदी H3701
וּמִקְנֵה और-मवेशी H4735
הַבְּהֵמָה पशुओं-की H0929
אֶל־ की-ओर H0413
אֲדֹנִי स्वामी-के-मेरे H0113

לֹא नहीं H3808
נִשְׁאַר बचा H7604
לִפְנֵי सामने H6440
אֲדֹנִי स्वामी-के-मेरे H0113
בִּלְתִּי सिवा H1115
אִם־ अगर
גְּוִיָּתֵנוּ शरीरों-हमारे H1472
וְאַדְמָתֵנוּ׃ और-भूमि-हमारी H0127

> किन्तु दूसरे वर्ष लोगों के पास जानवर नहीं रह गए और भोजन खरीदने के लिए कुछ भी न रहा। इसलिए लोग यूसुफ के पास गए और बोले, “आप जानते हैं कि हम लोगों के पास धन नहीं बचा है और हमारे सभी जानवर आपके हो गये हैं। इसलिए हम लोगों के पास कुछ नहीं बचा है। वह बचा है केवल, जो आप देखते हैं, हमारा शरीर और हमारी भूमि।

19
לָמָּה क्यों H4100
נָמוּת मरें-हम H4191
לְעֵינֶיךָ आँखों-के-सामने-तेरी
גַּם־ भी H1571
אֲנַחְנוּ हम H0587
גַּם भी H1571
אַדְמָתֵנוּ भूमि-हमारी H0127
קְנֵה־ ख़रीद H7069
אֹתָנוּ हमें H0853
וְאֶת־ और H0853
אַדְמָתֵנוּ भूमि-हमारी H0127

בַּלָּחֶם रोटी-के-बदले H3899
וְנִהְיֶה और-होंगे H1961
אֲנַחְנוּ हम H0587
וְאַדְמָתֵנוּ और-भूमि-हमारी H0127
עֲבָדִים दास H5650
לְפַרְעֹה फ़िरौन-के-लिए H6547
וְתֶן־ और-दे H5414
זֶרַע बीज H2233
וְנִחְיֶה और-जीएँ-हम H2421
וְלֹא और-न H3808

נָמוּת मरें-हम H4191
וְהָאֲדָמָה और-भूमि H0127
לֹא न H3808
תֵשָׁם׃ उजड़े H3456

> आपके देखते हुए ही हम निश्चय ही मर जाएँगे। किन्तु यदि आप हमें भोजन देते हैं तो हम फ़िरौन को अपनी भूमि देंगे और उसके दास हो जाएँगे। हमें बीज दो जिन्हें हम बो सकें। तब हम लोग जीवित रहेंगे और मरेंगे नहीं और भूमि हम लोगों के लिए फिर अन्न उगाएगी।”

20
וַיִּקֶן और-ख़रीदी H7069
יוֹסֵף यूसुफ़-ने H3130
אֶת־ को H0853
כָּל־ सब H3605
אַדְמַת भूमि H0127
מִצְרַיִם मिस्र-की H4714
לְפַרְעֹה फ़िरौन-के-लिए H6547
כִּי־ क्योंकि
מָכְרוּ बेचा-था H4376
מִצְרַיִם मिस्रियों-ने H4713
אִישׁ हर-एक-ने H0376

שָׂדֵהוּ खेत-अपना
כִּי־ क्योंकि
חָזַק बलवान-था H2388
עֲלֵהֶם उन-पर
הָרָעָב अकाल H7458
וַתְּהִי और-हो-गई H1961
הָאָרֶץ भूमि H0776
לְפַרְעֹה׃ फ़िरौन-की H6547

> इसलिए यूसुफ ने मिस्र की सारी भूमि फ़िरौन के लिए खरीद ली। मिस्र के सभी लोगों ने अपने खेतों को यूसुफ के हाथ बेच दिया। उन्होंने यह इसलिए किया क्योंकि वे बहुत भूखे थे।

21
וְאֶת־ और H0853
הָעָם जनता-को
הֶעֱבִיר हटाया-उसने
אֹתוֹ उन्हें H0853
לֶעָרִים नगरों-में
מִקְצֵה छोर-से
גְבוּל־ सीमा H1366
מִצְרַיִם मिस्र-की H4714
וְעַד־ और-तक H5704
קָצֵהוּ׃ छोर-उसके

> और सभी लोग फ़िरौन के दास हो गए। मिस्र में सर्वत्र लोग फ़िरौन के दास थे।

22
רַק केवल H7535
אַדְמַת भूमि H0127
הַכֹּהֲנִים पुजारियों-की H3548
לֹא नहीं H3808
קָנָה ख़रीदी H7069
כִּי क्योंकि
חֹק नियम H2706
לַכֹּהֲנִים पुजारियों-के-लिए H3548
מֵאֵת पास-से H0854
פַּרְעֹה फ़िरौन-के H6547
וְאָכְלוּ और-खाते-थे H0398

אֶת־ को H0853
חֻקָּם भाग-अपना H2706
אֲשֶׁר जो
נָתַן दिया-था H5414
לָהֶם उन्हें
פַּרְעֹה फ़िरौन-ने H6547
עַל־ पर
כֵּן इसलिए
לֹא नहीं H3808
מָכְרוּ बेचा-उन्होंने H4376
אֶת־ को H0853
אַדְמָתָם׃ भूमि-अपनी H0127

> एक मात्र वही भूमि यूसुफ ने नहीं खरीदी जो याजकों के अधिकार में थी, क्योंकि फ़िरौन उनके काम के लिए उन्हें वेतन देता था। इसलिए उन्होंने इस धन को खाने के लिए भोजन खरीदने में व्यर्थ किया।

23	וַיֹּאמֶר	יוֹסֵף	אֶל־	הָעָם	הֵן	קָנִיתִי	אֶתְכֶם	הַיּוֹם	וְאֶת־	אַדְמַתְכֶם	לְפַרְעֹה
	और-कहा	यूसुफ़-ने	से	जनता-से	देखो	ख़रीदा-मैंने	तुम्हें	आज	और	भूमि-तुम्हारी	फ़िरौन-के-लिए
	H0559	H3130	H0413		H2005	H7069	H0853	H3117	H0853	H0127	H6547

הֵא־	לָכֶם	זֶרַע	וּזְרַעְתֶּם	אֶת־	הָאֲדָמָה׃
देखो	तुम्हें	बीज	और-बोना	को	भूमि
H1887		H2233	H2232	H0853	H0127

यूसुफ ने लोगों से कहा, “अब मैंने तुम लोगों की और तुम्हारी भूमि को फ़िरौन के लिए खरीद लिया है। इसलिए मैं तुमको बीज दूँगा और तुम लोग अपने खेतों में पौधे लगा सकते हो।

24	וְהָיָה	בַּתְּבוּאֹת	וּנְתַתֶּם	חֲמִישִׁית	לְפַרְעֹה	וְאַרְבַּע	הַיָּדֹת	יִהְיֶה	לָכֶם	לְזֶרַע	הַשָּׂדֶה
	और-होगा	फसलों-में	और-देना	पाँचवाँ	फ़िरौन-को	और-चार	हिस्से	होगा	तुम्हें	बीज-के-लिए	खेत-के
	H1961	H8393	H5414	H2549	H6547	H0702	H3027	H1961		H2233	

וּלְאָכְלְכֶם	וְלַאֲשֶׁר	בְּבָתֵּיכֶם	וְלֶאֱכֹל	לְטַפְּכֶם׃
और-खाने-के-लिए-तुम्हारे	और-जो-हैं	घरों-में-तुम्हारे	और-खाने-के-लिए	बच्चों-के-लिए-तुम्हारे
H0400			H0398	H2945

फसल काटने के समय तुम लोग फसल का पाँचवाँ हिस्सा फ़िरौन को अवश्य देगा। तुम लोग अपने लिए पाँच में से चार हिस्से रख सकते हो। तुम लोग उस बीज को जिसे भोजन और बोने के लिए रखोगे उसे दूसरे वर्ष उपयोग में ला सकोगे। अब तुम अपने परिवारों और बच्चों को खिला सकते हो।”

25	וַיֹּאמְרוּ	הֶחֱיִתָנוּ	נִמְצָא־	חֵן	בְּעֵינֵי	אֲדֹנִי	וְהָיִינוּ	עֲבָדִים	לְפַרְעֹה׃
	और-कहा-उन्होंने	बचाया-तूने-हमें	मिले	अनुग्रह	आँखों-में	स्वामी-की-मेरे	और-होंगे-हम	दास	फ़िरौन-के-लिए
	H0559	H2421	H4672	H2580		H0113	H1961	H5650	H6547

लोगों ने कहा, “आपने हम लोगों का जीवन बचा लिया है। हम लोग आपके और फ़िरौन के दास होने में प्रसन्न हैं।”

26	וַיָּשֶׂם	אֹתָהּ	יוֹסֵף	לְחֹק	עַד־	הַיּוֹם	הַזֶּה	עַל־	אַדְמַת	מִצְרַיִם	לְפַרְעֹה
	और-रखा	उसे	यूसुफ़-ने	नियम-के-रूप-में	तक	दिन	इस	पर	भूमि	मिस्र-की	फ़िरौन-के-लिए
		H0853	H3130	H2706	H5704	H3117	H2088		H0127	H4714	H6547

לַחֹמֶשׁ	רַק	אַדְמַת	הַכֹּהֲנִים	לְבַדָּם	לֹא	הָיְתָה	לְפַרְעֹה׃
पाँचवें	केवल	भूमि	पुजारियों-की	अकेली	नहीं	हुई	फ़िरौन-की
H2569	H7535	H0127	H3548	H0905	H3808	H1961	H6547

इसलिए यूसुफ ने उस समय देश में एक नियम बनाया और वह नियम अब तक चला आ रहा है। नियम के अनुसार भूमि से हर एक उपज का पाँचवाँ हिस्सा फ़िरौन का है। फ़िरौन सारी भूमि का स्वामी हैं। केवल वही भूमि उसकी नहीं है जो याजकों की है।

27	וַיֵּשֶׁב	יִשְׂרָאֵל	בְּאֶרֶץ	מִצְרַיִם	בְּאֶרֶץ	גֹּשֶׁן	וַיֵּאָחֲזוּ	בָהּ	וַיִּפְרוּ	וַיִּרְבּוּ	מְאֹד׃
	और-बसा	इस्राएल	देश-में	मिस्र-के	देश-में	गोशेन-के	और-पाई-उन्होंने	उसमें	और-फले	और-बढ़े	बहुत
	H3427	H3478	H0776	H4714	H0776	H1657	H0270		H6509		H3966

इस्राएल (याकूब) मिस्र में रहा। वह गोशेन प्रदेश में रहा। उसका परिवार बढ़ा और बहुत हो गया। उन्होंने मिस्र में उस भूमि को पाया और अच्छा जीवन बिताया।

28	וַיְחִי	יַעֲקֹב	בְּאֶרֶץ	מִצְרַיִם	שְׁבַע	עֶשְׂרֵה	שָׁנָה	וַיְהִי	יְמֵי־	יַעֲקֹב	שְׁנֵי
	और-जिया	याकूब	देश-में	मिस्र-के	सात	दस	साल	और-थे	दिन	याकूब-के	सालों-के
	H2421	H3290	H0776	H4714	H7651	H6240	H8141	H1961	H3117	H3290	H8141

חַיָּיו	שֶׁבַע	שָׁנִים	וְאַרְבָּעִים	וּמְאַת	שָׁנָה׃
जीवन-के-उसके	सात	साल	और-चालीस	और-सौ	साल
	H7651	H8141	H0705	H3967	H8141

याकूब मिस्र में सत्रह वर्ष रहा। इस प्रकार याकूब एक सौ सैंतालीस वर्ष का हो गया।

29

וַיִּקְרְב֣וּ	יְמֵֽי־	יִשְׂרָאֵל֮	לָמוּת֒	וַיִּקְרָ֣א	לִבְנ֣וֹ	לְיוֹסֵ֗ף	וַיֹּ֤אמֶר	ל֔וֹ	אִם־
और-पास-आए	दिन	इस्राएल-के	मरने-के	और-बुलाया	बेटे-अपने-को	यूसुफ़-को	और-कहा	उससे	अगर
H7126	H3117	H3478	H4191	H7121		H3130	H0559		

נָ֨א	מָצָ֤אתִי	חֵן֙	בְּעֵינֶ֔יךָ	שִֽׂים־	נָ֥א	יָדְךָ֖	תַּ֣חַת	יְרֵכִ֑י	וְעָשִׂ֤יתָ	עִמָּדִי֙
कृपया	पाई-मैंने	अनुग्रह	आँखों-में-तेरी	रख	कृपया	हाथ-अपना	नीचे	जाँघ-मेरी	और-करना	मेरे-साथ
H4994	H4672	H2580			H4994	H3027	H8478	H3409		H5978

חֶ֣סֶד	וֶאֱמֶ֔ת	אַל־	נָ֥א	תִקְבְּרֵ֖נִי	בְּמִצְרָֽיִם׃
दया	और-सच्चाई	न	कृपया	दफ़नाना-मुझे	मिस्र-में
	H0571	H0408	H4994	H6912	H4714

> वह समय आ गया जब इस्राएल (याकूब) समझ गया कि वह जल्दी ही मरेगा, इसलिए उसने अपने पुत्र यूसुफ को अपने पास बुलाया। उसने कहा, “यदि तुम मुझसे प्रेम करते हो तो तुम अपने हाथ मेरी जांघ के नीचे रख कर मुझे वचन दो। वचन दो कि तुम, जो मैं कहूँगा करोगे और तुम मेरे प्रति सच्चे रहोगे। जब मैं मरूँ तो मुझे मिस्र में मत दफनाना।

30

וְשָֽׁכַבְתִּי֙	עִם־	אֲבֹתַ֔י	וּנְשָׂאתַ֨נִי֙	מִמִּצְרַ֔יִם	וּקְבַרְתַּ֖נִי	בִּקְבֻרָתָ֑ם	וַיֹּאמַ֔ר
और-लेटूँगा-मैं	साथ	पूर्वजों-के-अपने	और-उठाना-मुझे	मिस्र-से	और-दफ़नाना-मुझे	कब्र-में-उनकी	और-कहा-उसने
H7901		H0001	H5375	H4714	H6912	H6900	H0559

אָנֹכִ֖י	אֶעֱשֶׂ֥ה	כִדְבָרֶֽךָ׃
मैं-ही	करूँगा	वचन-के-अनुसार-तेरे
H0595		H1697

> उसी जगह मुझे दफना ना जिस जगह मेरे पूर्वज दफनाए गए हैं। मुझे मिस्र से बाहर ले जाना और मेरे परिवार के कब्रिस्तान में दफनाना।” यूसुफ ने उत्तर दिया, “मैं वचन देता हूँ कि वही करूँगा जो आप कहते हैं।”

31

וַיֹּ֗אמֶר	הִשָּֽׁבְעָה֙	לִ֔י	וַיִּשָּׁבַ֖ע	ל֑וֹ	וַיִּשְׁתַּ֥חוּ	יִשְׂרָאֵ֖ל	עַל־	רֹ֥אשׁ
और-कहा-उसने	शपथ-खा	मुझसे	और-शपथ-खाई	उससे	और-दण्डवत-किया	इस्राएल-ने	पर	सिर
H0559	H7650		H7650		H7812	H3478		

הַמִּטָּֽה׃	פ
बिछौने-के	—
H4296	

> तब याकूब ने कहा, “मुझसे एक प्रतिज्ञा करो” और यूसुफ ने उससे प्रतिज्ञा की कि वह इसे पूरा करेगा। तब इस्राएल (याकूब) ने अपना सिर पलंग पर पीछे को रखा।